गतिविधि 2

भूमिका अभिनय (Role Play)

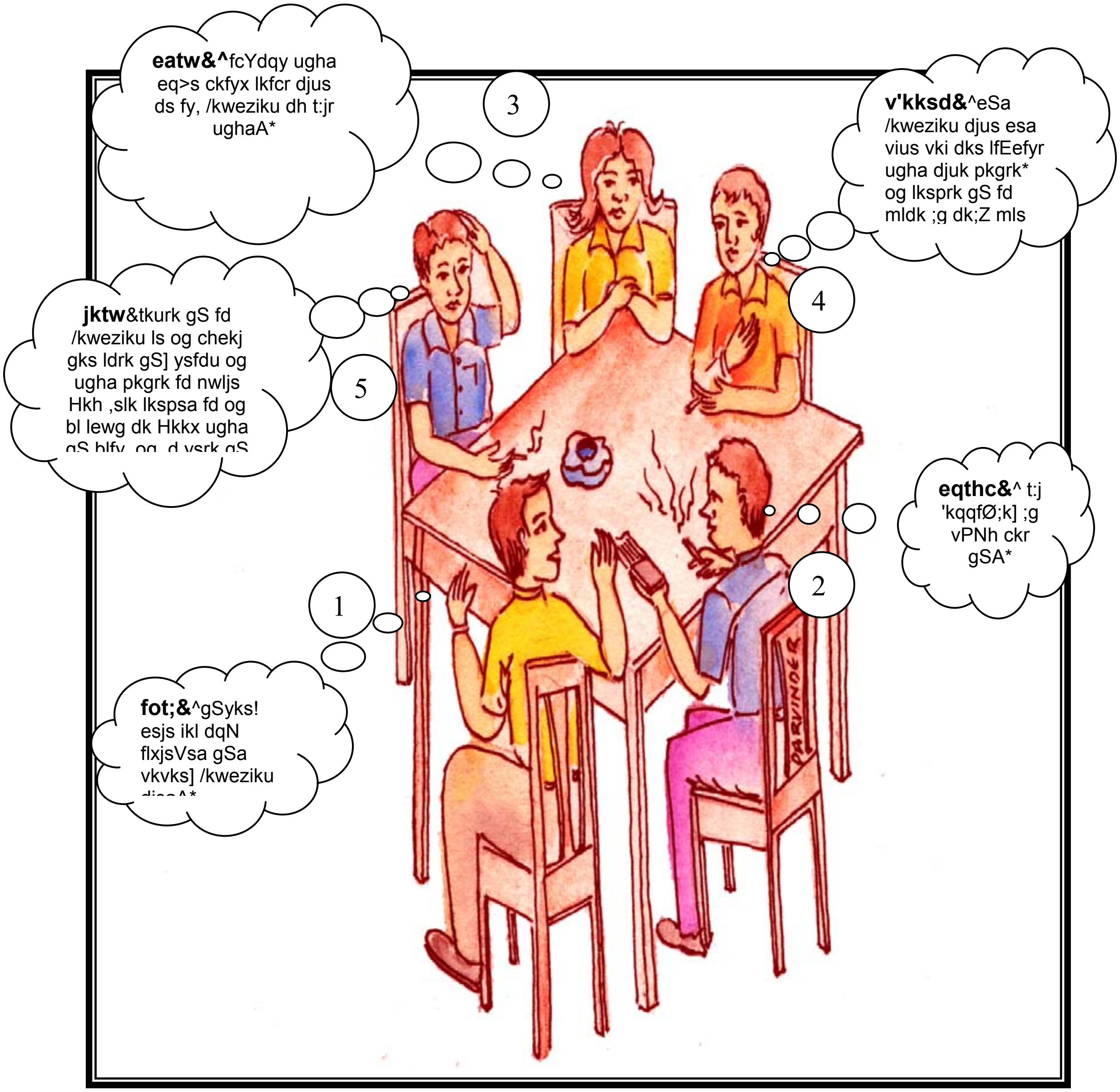

गतिविधि – 2

भूमिका अभिनय
(Role Play)

भूमिका अभिनय **(Role Play)** एक ऐसी क्रियात्मक गतिविधि है, जिसके द्वारा वास्तविक जीवन की संभावित परिस्थितियों का चित्रण सहज व स्वाभाविक भूमिकाओं द्वारा किया जाता है। अभिनय करते समय पात्र किसी दूसरे व्यक्ति के चरित्र का अनुकरण करता है तथा एक विशेष स्थिति में समूह उस पात्र-विशेष के चरित्र को अभिनीत करते हैं। अभिनय वास्तविक जीवन की स्थितियों के घटित होने से पूर्व हमें उसका अनुभव कराता है। अभिनय ऐसे अवसरों को उपलब्ध कराता है जो हमें जोखिम भरी परिस्थितियों से बचाव का कौशल सिखाते हैं। यह गतिविधि किशोरावस्था शिक्षा जैसे क्षेत्र में काफी लाभप्रद होगी।

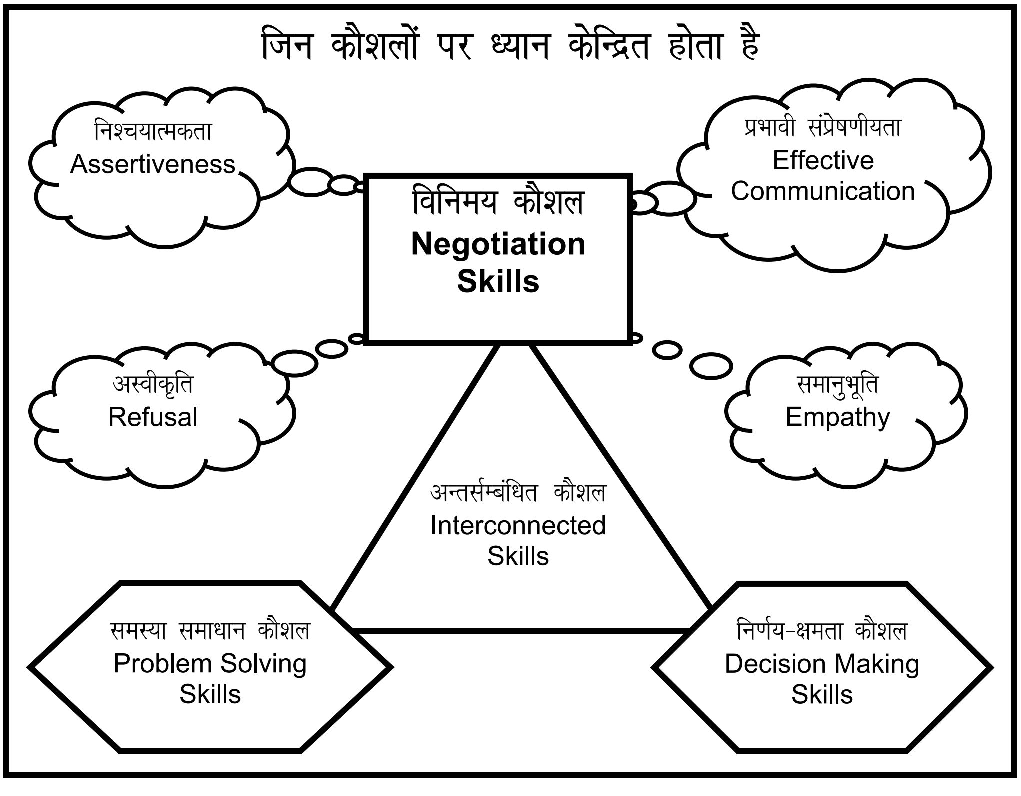

उद्देश्य

1. समवय-समूह के अन्तर्वैयक्तिक **(interpersonal)** सम्बन्धों की जटिलताओं को समझने और उसके महत्त्व को समझने के लिए छात्रों को तैयार करना।
2. उन्हें जोखिमपूर्ण स्थितियों और व्यवहारों के दुष्परिणामों के प्रति सजग करना।
3. उनमें विनिमय कौशल, समस्या समाधान और निर्णयक्षमता के कौशल विकसित करना ताकि वे समवय समूह के दबाव से अपने आप को बचा सकें तथा जोखिम भरे व्यवहार को ''नहीं'' कह सकें।

लक्ष्य समूह

सातवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा के किशोर छात्र।

वांछित सुविधाएं

समुचित स्थान और अन्य सुविधाएं जो स्कूल में उपलब्ध हों।

समय

एक पक्ष अथवा मास में केवल एक दिन चालीस मिनट या एक घण्टा।

प्रक्रिया

1. यद्यपि यह गतिविधि सामवीं से जमा दो के किशोर छात्रों के लिए है। इसे उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में विशेषतया आयोजित किया जाना चाहिए। अगर इसे छोटे-छोटे समूहों में किया जाए तो यह गतिविधि और भी प्रभावी हो सकती है।

2. इस गतिविधि को समवय-समूह के दबाव वाली स्थितियों पर केन्द्रित करना चाहिए, जहाँ जोखिम भरे व्यवहार की संभावना अधिक होती है।

3. इस गतिविधि को नियोजित करते समय 4-5 किशोरवयः छात्रों का समूह बनाकर अध्यापक और छात्र आपसी विचार विमर्श कर प्रासंगिक विषयों का चयन कर सकते हैं।

4. समूह के प्रत्येक सदस्य को कोई न कोई विशेष भूमिका निभाने को दे देनी चाहिए। प्रत्येक छात्र/छात्रा को दी गई भूमिका से संबंन्धित विषय की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।

5. यह समूह मेज के इर्द-गिर्द बैठ सकता है। कोई अन्य विधि भी अपनाई जा सकती है। यह सुनिश्चित कर लें कि अन्य छात्रों/ श्रोतागणों को यह समूह दिखाई दे।

6. विषय के केन्द्रिय भाव की संक्षिप्त प्रस्तुति के बाद अभिनय किया जाना चाहिए। जहां तक हो सके उनमें से किसी एक छात्र को ही इस प्रस्तुति की जिम्मेवारी सौंपनी चाहिए।

7. एक बार समूह के सभी सदस्य अपने-अपने अभिनय को प्रस्तुत कर लें उसके पश्चात श्रोतागणों को समीक्षा के लिए आंमत्रित किया जाना चाहिए। उसके बाद अध्यापक/विशेषज्ञ परिचर्चा का सार प्रस्तुत करते हुए भूमिका अभिनय द्वारा जिस विशेष-कौशल का विकास हुआ है उस पर प्रकाश डालें।

उदाहरण

ऐसे अनेक विषय/प्रकरण हो सकते हैं जिनपर भूमिका अभिनय गतिविधि आयोजित हो सकती है। कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं --

भूमिका अभिनय - 1

भूमिका अभिनय धुम्रपान के संदर्भ में समवय-समूहों के दबाव के ऊपर केन्द्रित हो सकता है। अध्यापक छात्रों से परामर्श कर पांच छात्रों के नाम तथा भूमिकाएं निर्दिष्ट करेगा। उन्हें विजय, मंजू, राजू, अशोक और मुजीब के नाम दिए जा सकते हैं और उन्हें निम्नलिखित अभिनय भूमिकाएं दी जा सकती हैं -

विजय धुम्रपान करता है। वह अलग-अलग स्थानों में रहा और वहां वह अपने दोस्तों की संगति में इस व्यसन में पड़ गया। वह चाहता है कि उसके दूसरे साथी भी उसके साथ सिगरेट पीएं। वह मुजीब और मंजू से कह रहा है, 'हैलो मुजीब! हैलो मंजू। मेरे पास सिगरेट है, आओ धुम्रपान करें।'

मुजीब को सिगरेट पीने से कोई परहेज नहीं है। वह कहता है "जरूर! यह भी ठीक है। लाओ मुझे दो। बहुत बार मुझे धुम्रपान करने की इच्छा होती है। जब कभी भी मैं किसी वयस्क को धूम्रपान करते देखता हूँ तो मैं हमेशा ही आकर्षित हो जाता हूँ।" वह यह भी सोचता है कि यदि मैं धुम्रपान नहीं करूंगा तो लोग मेरा मज़ाक उड़ाएंगे। वह भी सिगरेट पीने लगता है और दूसरों को भी सिगरेट पीने को कहता है।

मंजू निश्चित रूप से धूम्रपान के विरुद्ध है वह कहती है "बिल्कुल नहीं, मुझे अपने को वयस्क एवं पुरुष के समान साहसी सिद्ध करने के लिए धुम्रपान की जरूरत नहीं है। मैं जानती हूँ धुम्रपान मेरे व दूसरों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मैं स्वास्थ्य की कीमत पर अपनी प्रौढ़ता प्रमाणित करना पसन्द नहीं करूंगी।"

अशोक का धूम्रपान के विषय में कोई निश्चित मत नहीं है। वह सोचता है कि एक सिगरेट पीने से कोई नुकसान नहीं होगा, परन्तु साथ ही वह अपने आप को धुम्रपान में संलिप्त नहीं करना चाहता। उसे भय है कि इस कार्य से वह आने वाले समय में धुम्रपान का अभ्यस्त न हो जाए। इसलिए वह स्पष्ट रूप से विजय द्वारा दी गई सिगरेट को 'न' कह देता है।

राजू जानता है कि धुम्रपान से उसे नुकसान हो सकता है। लेकिन वह यह नहीं चाहता कि दूसरे उसे उस समूह का सदस्य न समझें इसलिए वह झुक जाता है। वह कहता है "यद्यपि मैं सिगरेट नहीं पीता हूँ पर मैं एक सिगरेट पी लूँगा। अन्यथा तुम सोचोगे कि मैं समूह का सदस्य बनने योग्य नहीं हूं।" वह एक सिगरेट लेता है और पीनी शुरू कर देता है।

1. जब शिक्षक छात्रों को उनसे सम्बंन्धित अभिनय भूमिकाओं के बारे में बताएं उन्हें सभी पात्रों की मनोवृतियों की जानकारी देनी चाहिए तथा छात्र-छात्राओं को इन मनोवृत्तियों को अपने अभिनय के माध्यम से स्पष्ट करने के लिए कहना चाहिए। इसके लिए कोई हस्तलेख नहीं होगा। छात्रों को स्वयं इसकी हस्तलिपि तैयार करके अपनी भूमिकाओं को अभिनीत करना होगा।

2. भूमिका अभिनय के पश्चात श्रोतागणों तथा दर्शकों से यह आग्रह किया जाना चाहिए कि वे पात्रों द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर संवाद करें।

अंततः अध्यापक अथवा विशेषज्ञ को परिचर्चा का सार प्रस्तुत करना चाहिए।

भूमिका अभिनय -2

1. यह भूमिका अभिनय एच आई वी द्वारा संक्रमित व्यक्तियों पर केन्द्रित है। इसे ऊपरी प्राइमरी कक्षाओं के छात्रों को सम्मिलित करके भी किया जा सकता है। इस गतिविधि हेतु तीन मुखौटों की आवश्यकता होगी। एक इन्फलुएंजा के विषाणुओं के लिए, दूसरा निमोनिया के विषाणुओं के लिए, तीसरा एच आई वी के विषाणुओं के लिए। यदि शरीर और प्रतिरक्षक 'टी' कोशिकाओं को भी मुखौटे और पहरावे मिलें तो बच्चों के लिए खेल होगा। छात्र अपनी कला-कक्षाओं के दौरान अपने मुखौटे और पहरावे तैयार कर सकते हैं अथवा यदि संभव हो तो अपने घर से भी ला सकते हैं।

2. यह भूमिका अभिनय स्कूल में होने वाले किसी भी उत्सव या फिर वार्षिक दिवस पर की जाने वाली अन्य प्रस्तुतियों के साथ भी मंचित किया जा सकता है।

3. अध्यापक मंच पर अभिनय करने की क्षमता रखने वाले छात्रों का चयन कर सकते हैं। वे चयनित छात्रों के साथ मिलकर निम्नलिखित विचारों के अनुरूप प्रहसन/लघुनाटिका तैयार कर सकते हैं -

   क) एक छात्र मंच के बीच में खड़ा होकर मानव शरीर का प्रतिनिधित्व करे। छात्र कलाकार बोलकर और कार्यव्यापार से निम्नलिखित विचार अभिव्यक्त करे।

   ''प्रत्येक मानव शरीर में एक रोग प्रतिरक्षक तन्त्र होता है जो अनेक प्रकार के संक्रमणों से शरीर की रक्षा करता है। इस प्रतिरक्षक तन्त्र की कुछ कोशिकाओं को 'टी' कोशिकाएं कहते हैं।'' ये शब्द या वाक्य बच्चा न भी बोल पाए फिर भी ये विचार व्यक्त होने चाहिएं।

ख) छात्रों का समूह 'मानव शरीर' के चारों ओर एक दूसरे के हाथ पकड़कर अपने मुंह बाहर की तरफ करके एक दायरा बनाएं। छात्र कलाकार निम्नलिखित विचारों को इस तरह और उस भाषा में व्यक्त करें जिस तरह अध्यापक सही समझता हो।

''अब हमारे पास संक्रमण से बचाव में सक्षम प्रभावी प्रतिरोधक क्षमता से युक्त शरीर है। जब कोई विषाणु शरीर पर आक्रमण करता है और हमारा प्रतिरोधक तंत्र उसकी रक्षा करता है तो क्या होता?''

ग) एक छात्र जिसने इन्फल्युएंजा के विषाणुओं का मुखौटा पहन रखा होगा मानव शरीर पर आक्रमण करने की कोशिश करेगा। रोग प्रतिरक्षक टी कोशिकाएं इन्फल्युएंजा के विषाणुओं से लड़ेगी और मानव शरीर को नुक्सान पंहुचाने से बचाएंगी। मंचीय कलाकारों के माध्यम से निम्नलिखित विचार अभिव्यक्त होने चाहिए -
''जब हमारे शरीर में प्रभावशाली रोग प्रतिरक्षक तन्त्र होता है तो ये इन्फल्युएंजा के विषाणु से शरीर की रक्षा करता है।''

घ) एक अन्य विद्यार्थी एचआईवी के विषाणुओं का मुखौटा पहने हुए 'मानव शरीर' के पास आएगा। मंच पर बोले गए शब्दों और कार्यव्यापार से निम्नलिखित विचार प्रकट होने चाहिएं–
''अब हमारे परिवेश में एक अन्य विषाणु का प्रवेश हो गया है। इस विषाणु का नाम है 'एचआईवी' और यह अन्य विषाणुओं से भिन्न होता है। हमारा रोग प्रतिरक्षक तंत्र इस विषाणु से हमारे शरीर की रक्षा नहीं कर सकता''

जैसे ही एच आई वी का मुखौटा पहने विद्यार्थी योद्धा टी कोशिकाओं के पास आएंगे तब बहुत सारे विद्यार्थी जिन्होंने ''मानव शरीर'' को घेर रखा होगा एक एक करके मंच से लुप्त हो जाएंगे। मंच पर ''मानव शरीर'' की रक्षा करने के लिए योद्धा टी - कोशिकाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले केवल

दो या तीन विद्यार्थी बच्चे रहेंगे। वह विद्यार्थी जिसने एच आई वी का मुखौटा पहन रखा होगा अब ''मानव शरीर'' के बहुत निकट होगा।

ङ) वह छात्र जिसने 'निमोनिया' का मुखौटा पहन रखा है 'मानव शरीर' के पास आता है। रोग प्रतिरक्षक तन्त्र के कमजोर हो जाने पर इस विषाणु को शरीर पर आक्रमण करने में आसानी होती है क्योंकि उसे कुछ ही 'टी' कोशिकाओं से ही लड़ना पड़ता है। अतः इस विषाणु के आक्रमण से 'मानव शरीर' मंच पर गिर जाता है।

कुछ भूमिका अभिनय स्थितियां

कुछ भूमिका अभिनय स्थितियों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं। छात्रों से भी विविध भूमिका अभिनय के संबंध में राय ली जा सकती है। अध्यापक और छात्रों के बीच विचार-विमर्श से ऐसे भूमिका अभिनयों को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

परिस्थिति : 1

एक शादी के अवसर पर कुछ किशोर शराब पी रहे हैं। लेकिन उनका एक साथी उनका साथ नहीं देता। वे शराब पीने के लिए इतना दबाव डालते हैं कि वह परेशान हो जाता है। वह जानता है कि शराब पीना मनुष्य के लिए बुरा है। वह वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहता लेकिन साथ ही अपने मित्र की संगत भी करना चाहता है। वह उन्हें ''न'' कैसे करे, जबकि उसके मित्र उसे ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहे हैं?

परिस्थिति : 2

भूमिका अभिनय एक ऐसी स्थिति पर केन्द्रित किया जा सकता है जहां पांच से छः छात्र जो लड़के हों बस स्टाप पर खड़े हों। इस समूह के अतिरिक्त दो छात्राएं भी बस की इन्तजार में खड़ी हैं। उनमें से एक या दो लड़के एक लड़की को छेड़ना शुरू करते हैं। दूसरी लड़की डर जाती है। उस समूह में से दो लड़कों को अपने मित्रों का यह व्यवहार पसंद नहीं आता और वे उन्हें समझाते हैं कि वे उस लड़की को न छेड़ें। ऐसा वे कैसे करेंगे?

परिस्थिति : 3

एक ऐसी स्थिति हो सकती है जिसमें माता-पिता अपने बच्चों की इस बात से परेशान हैं कि उनके बच्चे ज्यादा से ज्यादा समय अपने मित्रों के साथ गुजारते हैं। लड़के को अपनी निजी जिन्दगी में अपने माता-पिता की दखलअंदाजी अच्छी नहीं लगती। उनकी बेटी को भी अपने माता-पिता की इस तरह दखलअंदाजी पसन्द नहीं आती। यह भूमिका अभिनय माता-पिता और किशोरों के आपसी सम्बन्धों में पैदा होने वाले तनाव पर केन्द्रित होना चाहिए। इस अभिनय भूमिका को इस प्रकार नियोजित करना चाहिए ताकि माता-पिता में अपने किशोरवय बच्चों की स्वतन्त्रता और निजी मामलों का सम्मान करने तथा बच्चों में अपने माता-पिता के देखभालपूर्ण रवैये का सम्मान करने का कौशल विकसित हो।

परिस्थिति : 4

एक ऐसी स्थिति हो सकती है जिसमें कोई निकटता से जानने वाला व्यक्ति एक किशोर लड़की के साथ दुर्व्यवहार करता है। लड़की उसके इरादों और उसके व्यवहार को भांप जाती है और उस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती है। इस स्थिति पर केन्द्रित भूमिका अभिनय विनिमय कौशल पर केन्द्रित हो सकता है।

पुनर्निवेशन **(Feedback)**

हर बार इस गतिविधि के समापन पर पुनर्निवेशन के लिए कुछ विशेष कदम उठाए जा सकते हैं। सम्बन्धित अध्यापक निम्नानुसार एक विवरणिका तैयार कर सकते हैं :

1. भूमिका अभिनय का विषय क्या था और भूमिका प्रदर्शन करने वालों ने मुख्यतः किन विचारों को अभिव्यक्त किया?

2. आरंभ से अंत तक इस गतिविधि को आयोजित करने में छात्रों की क्या सहभागिता रही?

3. इस गतिविधि के आयोजन के समय कक्षावार कितने छात्र, अध्यापक तथा अन्य व्यक्ति उपस्थित थे?

4. कितने बाह्‌य विशेषज्ञ/व्यावसायिक आमन्त्रित थे और किन एजेंसियों/ संस्थानों से?
5. कितने छात्रों ने भूमिका अभिनय के बाद अपनी प्रतिक्रियाएं दी?
6. गतिविधि को आयोजित करते समय क्या सभी ऊपर लिखी बातों को ध्यान में रखा गया?

7. क्या छात्रों ने अपनी भूमिका का अभिनय करते समय सम्प्रेषणीयता और विनिमय कौशलों का समुचित प्रयोग किया?

8. क्या छात्रों की सहभागिता में क्रमशः ह्रास या सुधार हुआ?

9. इस गतिविधि के परिणाम स्वरूप स्कूल के वातावरण अथवा छात्रों और अध्यापकों के व्यवहार में कोई परिवर्तन हुआ?